वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 264 | गुरुवार 19 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

'अफसर जिम्मेदार नहीं तो तिजोरी से पेपर बाहर कैसे आया?'

पायलट का गहलोत पर हमला, बोले- यह तो जादूगरी हो गई, ऐसा संभव नहीं

जयपुर. कासं

पेपर लीक मामले में सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच वार-पलटवार तीसरे दिन भी जारी है। बुधवार को पायलट ने बड़े अफसरों को रिटायरमेंट के बाद राजनीतिक नियुक्तियां देने पर भी गहलोत का नाम लिए बिना तीखा हमला बोला है। पेपर लीक मामले में अफसरों को क्लीन चिट देने के सीएम गहलोत के बयान पर पायलट ने कहा- जब बार-बार पेपर लीक होते हैं तो हमें दुख होता है। इसके लिए जिम्मेदारी तय करके एक्शन लेना होगा। अब कहा जा रहा है कि कोई अफसर जिम्मेदार नहीं है। पेपर तिजोरी में बंद होता है। तिजोरी में बंद पेपर बाहर बच्चों तक कैसे पहुंच गया। यह तो जादूगरी हो गई। पायलट ने कहा- ऐसा संभव नहीं है कि कोई अफसर जिम्मेदार नहीं है। कोई न कोई तो जिम्मेदार होगा। पायलट झुंझुनूं जिले के गुढ़ा में किसान सम्मेलन में बोल रहे थे। पायलट ने अफसरों को बड़े पैमाने पर राजनीतिक नियुक्तियां देने पर भी सवाल उठाए। पायलट ने कहा- बहुत से लोगों को राजनीतिक नियुक्तियां

दीं, लेकिन जिन लोगों ने सरकार बनाने के लिए खून-पसीना बहाया। उनका अनुपात सुधारना होगा। पायलट ने कहा- प्रदेश में बहुत से ऊंचे अधिकारी हैं, जो अधिकारी हमारी सरकार में काम करते हैं। उन्हें यह फर्क नहीं पड़ता कि कि राज कांग्रेस का है या बीजेपी का है। अफसर तो राज की नौकरी करते हैं। बड़े अफसरों को भी हमें राज में मौका देना हो तो दीजिए, लेकिन अनुपात बेहतर होना चाहिए। उन्होंने कहा- कांग्रेस का वर्कर चाहे मेरा समर्थक हो या किसी और का हो, उसे कोई राजनीतिक नियुक्तियों में पद दें तो उसका हम सब स्वागत करेंगे। बड़े-बड़े अधिकारी शाम को 5 बजे रिटायर होते हैं और रात को 12 बजे उनकी नियुक्ति हो जाती है। थोड़ा-बहुत तो होता है, लेकिन अधिकारियों की जगह कांग्रेस के कार्यकर्ता को पद मिलते तो अच्छा होता। हमें तो उसको ठीक करना होगा।

मुझे प्रदेशाध्यक्ष बनाया तो लोगों ने कहा-यह फायदे का सौदा नहीं

पायलट ने कहा- 2013 में हमारे 21 विधायक रह गए थे। केवल दो मंत्री जीते थे। बाकी पूरी कैबिनेट हार गई थी। उन विपरीत हालात में कांग्रेस हाईकमान ने मुझे कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बनाकर भेजा। उस वक्त मैं केंद्र में मंत्री था। लोगों ने तब कहा था- यह फायदे का सौदा नहीं है। वहां तो कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। मैंने सब कुछ छोड़कर कार्यकर्ताओं और नेताओं को जोड़ने, इकट्ठा करने की कोशिश की। हमने सरकार बनाई।

राज्यपाल मिश्र ने ''एग्जाम वॉरियर्स'' पुस्तक का किया लोकार्पण

जयपुर. कासं

राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिखी गई पुस्तक ''एग्जाम वॉरियर्स'' के हिंदी और अंग्रेजी संस्करण का बुधवार को राजभवन में लोकार्पण किया। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) द्वारा इस पुस्तक का भारत भर में उपयोग सुनिश्चित करने के लिए इसका विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया गया है। लोकार्पण के बाद मिश्र ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए ही नहीं यह शिक्षकों और अभिभावकों के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि मोदी ने मूलतः परीक्षा के दौरान बच्चों में होने वाले तनाव के संदर्भ में इस पुस्तक का लेखन किया है। पर इसमें जीवन प्रबन्धन पर भी विशिष्ट जानकारियां दी गई है।

राज्य में पहले कंपोजिट रीजनल सेंटर की स्थापना के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के मध्य एमओयू

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिव्यांगजनों को विभिन्न प्रकार की सेवाएं एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य में प्रथम कंपोजिट रीजनल सेंटर की स्थापना जामडोली, जयपुर में की जाएगी। इस संबंध में केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के मध्य समझौता पत्र करार किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली की उपस्थिति में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के मध्य समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये गये। केंद्र सरकार की ओर से मनीष वर्मा, निदेशक राष्ट्रीय दृष्टिबाधित दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, देहरादून एवं राज्य सरकार की ओर से डॉ समित शर्मा, शासन सचिव सामाजिक न्याय अधिकारिता ने हस्ताक्षर किए। टीकाराम ने बताया कि एमओयू के पश्चात अस्थाई रूप से कंपोजिट रीजनल सेंटर का संचालन भारत सरकार द्वारा किया जाएगा। शीघ्र ही राज्य सरकार द्वारा कंपोजिट रीजनल सेंटर के स्थाई संचालन हेतु भूमि केंद्र सरकार को उपलब्ध करवाई

जाएगी और चिन्हित भूमि पर भारत सरकार द्वारा कंपोजिट रीजनल सेंटर के भवन का निर्माण करवाया जाएगा। दिव्यांगजनों को इस केंद्र से निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं उपकरण की सुविधा होगी। इस केंद्र के माध्यम से दिव्यांग जनों को चिन्हित करना, फिजियोथैरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी इत्यादि की सुविधाएं भी निशुल्क प्रदान की जाएगी। साथ ही साथ दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड जारी करवाने में भी इस केंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी ।

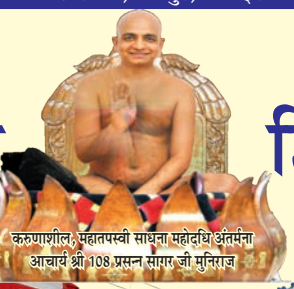

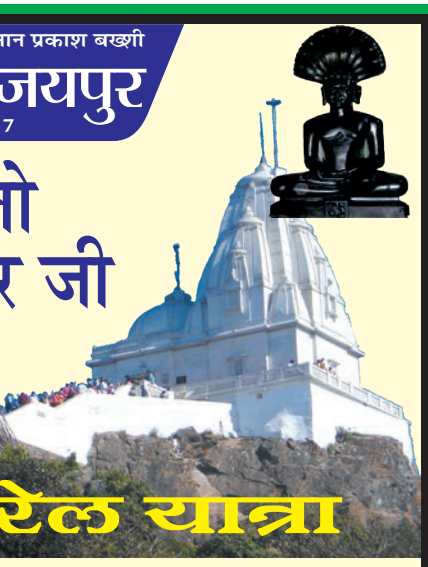

Reg. No. : COOP/2023/JAIPUR/204826 स्थापित - 1986 संस्थापक : स्व. श्री ज्ञान प्रकाश बख्शी
श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ, जयपुर
एस-7, अमर पथ, जनता कॉलोनी, जयपुर, मोबाईल : 98290-14617
श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर
चलो शिखर जी
चलो शिखर जी
करुणाशील, महातपस्वी साधना महोदधि अंतर्मना
आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी मुनिराज
अंतर्मना एक्सप्रेस
रेल यात्रा
गुरुवार, 26 जनवरी से मंगलवार, 31 जनवरी 2023
ऐतिहासिक पलों के साक्षी बनकर पुण्यार्जन करें।
महाप्रतिष्ठा महामहोत्सव
महापारणा महामहोत्सव
सामूहिक पर्वत वन्दना
स्लीपर क्लास सीट सहयोग राशि 4000/- प्रति यात्री
थर्ड एसी सीट सहयोग राशि 7000/- प्रति यात्री
सैकण्ड एसी सीट सहयोग राशि 9000/- प्रति यात्री
सीट बुक करवाने की अन्तिम तिथि 20 जनवरी 2023
सीट पहले आओ पहले पाओ के आधार पर बुक की जायेगी।
सहयोग राशि में ट्रेन किराया सहित भोजन, आवास एवं बस सुविधा सम्मिलित है।
सीट बुक करवाने हेतु आधार कार्ड की फोटो प्रति एवं नकद राशि जमा करवाना अनिवार्य होगा।
कार्यक्रम में परिवर्तन/परिवर्धन का अधिकार संरक्षक/मुख्य संयोजक को होगा।
आपका सौभाग्य आपको पुकार रहा है चलो सम्मेद शिखर जी
संरक्षक सुभाष चन्द जैन 98290-14617
मुख्य संयोजक शैलेन्द्र साह (चीकू) 94142-38656
रेल्वे समन्वयक आर.के. जैन रेल्वे 63505-70300
जयपुर से श्री सम्मेद शिखर जी स्पेशल अंतर्मना रेल यात्रा
सीट बुक करवाने हेतु निम्न संयोजकों से सम्पर्क करें-
सुरेश ठोलिया 98292-45642
प्रकाश गंगवाल 94146-06465
सूर्य प्रकाश छाबड़ा 94140-72214
अमरचन्द दीवान खोराबीसल 99288-52440
विनेश सौगानी 98291-50784
मनीष लुहाड़िया 94140-78073
विनोद जैन कोटखावदा 90575-55542
जिनेन्द्र जैन 94147-95464
सह-संयोजक
सलिल जैन 94144-58286
राजेन्द्र जैन मोजमाबाद 93093-90002
देवेन्द्र गिरधरवाल 98298-10106
पवन जैन नैनवा 94144-60896
भागचन्द गोधा 98291-31840
गजेन्द्र शाह 98295-95725
महेश चन्द जैन 99283-89669
मयंक जैन 99505-69730
विजय बैनाड़ा 95094-90781
विक्रम पाण्ड्या 97998-74817
श्रीमती मोना जैन 93513-78523
श्रीमती दीपा गोधा 97827-31077
निवेदक - समस्त कार्यकारिणी सदस्य श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ, जयपुर

देश तीर्थ धर्म व साधु-संतों की सुरक्षा का दायित्व युवा अपनी शक्ति से करें: जैन संत विरंजन सागर

हीरापुर में हुआ युवा सम्मेलन

राजेश रागी / रत्नेश जैन. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा। युवा का मतलब है ऊर्जा, कार्यक्षमता और उत्पादक, युवाओं के अंदर कार्य करने की उर्जा, लगन होती है, कार्य करने की क्षमताओं का भंडार और नया सर्जन उत्पादन की शक्ति होती है, जिन्हें गति व दिशा सही मिल जाए तो सही कार्य कर सकता है। युवा शक्ति व प्रतिभाओं को निखारने ,जागृत करने और संगठित करने की देश को आवश्यकता है। उपरोक्त उदगार जनसंत मुनि श्री विरंजन सागर जी महाराज ने निकटवर्ती ग्राम हीरापुर में चल रहे पंचकल्याणक जिनबिम्ब प्रतिष्ठा एवं विश्वशांति महायज्ञ के दौरान आयोजित बुन्देलखण्ड स्तरीय युवा सम्मेलन में व्यक्त किये। मुनिश्री ने कहा कि देश, तीर्थ, धर्म धर्मायतन और साधु-संतों पर आयेदिन आक्रमण, संकट व अप्रिय घटनाएं हो रही हैं, जिसकी सुरक्षा जान की परवाह किए बगैर करना युवाओं का दायित्व व कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि देश के लिए एक सक्रिय युवा संघठन की आवश्यकता है जो किसी भी समय अपनी युवा शक्ति के साथ संघर्ष व समस्या के निराकरण के लिए खडा हो जाय ,ऐसे संघठन के लक्ष्य पूर्ति हेतु पथरिया मे 1 से 15 फरवरी तक आयोजित विरागोदय महामहोत्सव के दौरान पहले दिवस 1 फरवरी को राष्ट्रीय युवा सम्मेलन किया जा रहा है, जिसमें दस हजार से अधिक युवाओं को जोडकर संकल्पित किया जायेगा, मुनिश्री ने देश के सभी युवाओं सहित सधर्मी भाईयों से आव्हान किया है कि इस सम्मेलन मे अनिवार्यता सम्मिलित होकर देश, तीर्थ ,धर्म व साधु संतों की रक्षा हेतु सहभागिता निभायें। हीरापुर (सागर) मे मुनिश्री विरंजन सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य एवं हजारों युवा, युवती, महिला पुरुषों की उपस्थिति मे बुन्देलखण्ड स्तरीय युवा सम्मेलन अभावयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन मे परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.जीवनप्रकाश, पवन घुवारा, कपिल मलैया, गौरव आदित्य, सावन सिंघई,शशांक जैन ने संवोधित कर देश,तीर्थ, धर्म, साधु संतो की रक्षा हेतु संघठित रहने का आव्हान किया। सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि सुरेश जैन आईएएस,न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन भोपाल, युवा परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन घुवारा, अशोक क्रांतिकारी, वरिष्ठ समाजसेवी कपिल मलैया, राजेश रागी, देवेन्द्र लुहारी, दामोदर सेठ, युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव आदित्य, एसडीओपी शशांक जैन, समकित जैन ऑफिसर, डॉ. श्रेयांस जैन मेडिकल ऑफिसर, सावन सिंघई रेशु,राजेश पडेले भिलाई,मनोज बंगेला, आदि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का महोत्सव समिति अध्यक्ष अभय जैन, कार्याध्यक्ष मुकेश जैन तथा संयोजक व युवा परिषद के बुन्देलखण्ड प्रांताध्यक्ष अंकित जैन सांधेलिया सहित युवा पदाधिकारियों ने अतिथियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर ''**नैनागिरि जैन तीर्थ-पुरातन से अद्यतन**'' नामक ग्रंथ जिसके लेखक सुरेश जैन आईएएस,संकलन न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन एवं सम्पादन डा.महेन्द्र कुमार मनुज व प्राचार्य सुरेन्द्र कुमार व जितेन्द्र कुमार द्वारा किया गया तथा भारतीय ज्ञानपीठ दिल्ली द्वारा प्रकाशित इस 566 पृष्ठीय ग्रंथ को ग्रंथ लेखक व संकलनकर्ता ने पूज्य मुनिश्री, सर्वोच्च जैन साध्वी ,भारतगौरव, दिव्यशक्ति पूज्य गणनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी हेतु युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.जीवनप्रकाश हस्तिनापुर तथा विश्वविख्यात प्रतिष्ठाचार्य बा.ब्र.जयनिशांत भैया जी के करकमलों मे सौपा गया, जिसका संक्षिप्त पुस्तक परिचय राजेश रागी बकस्वाहा ने दिया। इस सम्मेलन मे महामंत्री संदीप फौजदार, उपाध्यक्ष मनोज जैन केसली, कोषाध्यक्ष अभिषेक जैन, अक्षय पाटनी, रवीन्द्र, श्रेयांस, दिवा, राजा, श्रीकान्त ,पुनीत जैन आदि का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन राहुल सांधेलिया ने किया।

श्वेतांबर जैन साध्वियों ने किये भगवान महावीर के दर्शन

चन्द्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। श्रमण संघ के आचार्य डॉ. श्री शिवमुनि जी म. सा. की आज्ञानुवर्ती संथारा साधिका महासाध्वी श्री प्रवीण जी म. सा. की शिष्याऐं साध्वी श्री प्रियंका जी म. सा.,साध्वी श्री सुकृति जी म. सा., साध्वी श्री अंशिता जी म. सा. व साध्वी श्री हर्षिता जी म. सा. आदि ठाणा 4 दिल्ली से विहार करते हुए श्रीमहावीरजी पहुंची। सभी साध्वियों ने महावीरजी ठहर कर भगवान महावीर के दर्शन किये व श्रावक-श्राविकाओं को धर्म लाभ दिया। जयपुर की ओर विहार करते हुए साध्वी संघ ने महावीरजी से टोडाभीम की ओर प्रस्थान किया। उनके साथ संजय जैन रजनी जैन वीरेन जी जैन आदि समाज के लोग उनके साथ साथ चल रहे थे।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप पिंक पर्ल का पतंगोत्सव का कार्यक्रम संपन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप पिंक पर्ल का पतंगोत्सव कार्य क्रम दिनांक पार्श्वनाथ भवन नाटानीयो का रास्ता जयपुर मे संपन हुआ। कार्य क्रम के शुरूआत मे सभी सदस्यो का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। ग्रुप का वर्ष 2023 मे प्रथम प्रोग्राम मे सदस्यों की बड़ी संख्या मे उपस्थिति रही। पतंगबाजी में लोगों ने बड चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम मे दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के पदाधिकारियों राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेन्द्र-मर्दुला पांड्या एवं नवनिर्वाचित फेडरेशन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल-निलिमा बिलाला एवं राजस्थान रीजन जयपुर अध्यक्ष राजेश -सीमा बड़जात्या, रीजन कोषाध्यक्ष पारस जैन का साफा एवम दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। ग्रुप के बारे में मनीष सौगानी ने बताया कि कार्य क्रम मे सभी सदस्यों ने डांस व पतंगबाजी करके कार्यक्रम का आनंद लिया। अंत मे मे सदस्यो द्वारा आतिशबाजी की गई एवम ग्रुप के अध्यक्ष राजेश- विनीता चौधरी जैन व सचिव अरविन्द - अनुपमा विलाला ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन भगवान महावीर की आरती के साथ हुआ।

वेद ज्ञान

शुद्धता ही जीवन का उद्देश्य

परिस्थितियां कैसी भी विषम क्यों न हों राह पर चलते जाना ही धर्म है। गुण स्वभाव का अंग हो जाते हैं तभी उन्हें गुण कहा जाता है। स्थितियों के अनुसार उन्हें अपनाना या त्याग देना सबसे बड़ा अवगुण है। शीतलता चंदन का गुण है, जो हर हाल में बना रहता है। चंदन के पेड़ पर कितने ही विषैले सांप लिपटे हों, उसकी शीतलता बनी रहती है। यदि एक वृक्ष अपने गुणों पर इस तरह दृढ़ रह सकता है तो मनुष्य क्यों नहीं, जिसे ईश्वर ने बौद्धिक चेतना प्रदान कर उसे जीवों में विशिष्ट बना दिया है। कदाचित मनुष्य ही इसे समझ नहीं पा रहा है कि विचार और आचार की शुद्धता ही जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य और उपलब्धि है। दया, परोपकार, क्षमा, दान और साहचर्य जैसे तत्व मनुष्य की रचना में ही समाहित हैं और उन पांच तत्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिनसे यह तन बना है। इनसे विरत होना अपने संरचनात्मक स्वभाव से दूर जाना है। भूमि, जल, वायु, अग्नि और क्षितिज एक साथ बने रहते हैं तो सृष्टि का अस्तित्व है और मनुष्य का भी। इनका असंतुलन यदि सृष्टि को विनाश की ओर ले जाने वाला है तो मनुष्य को भी। जीवन में तमाम विषधारी समस्याओं से सामना होता रहता है। मनुष्य का धर्म है कि सहज रहकर अपने गुणों से उनसे पार पाने की चेष्टा करे। किसी का भी जीवन कभी भी निष्कंटक नहीं रहा है। संसार में जो महापुरुष हुए हैं, उन्होंने भी असीम दुख सहे। उनके मार्ग में रोंगटे खड़े कर देने वाली बाधाएं आईं, किंतु वे अविजित रहे तो अपने सद्गुणों के कारण। इसीलिए आज उनकी पूजा होती है। मनुष्य को उसके कर्मों के अनुसार ही फल मिलना है। यदि बबूल बोया है तो अंगूर कहां से मिलेंगे। अंगूर पाने के लिए अंगूर की ही खेती करनी पड़ेगी। हर मनुष्य को जीवन में सम्मान और प्रतिष्ठा चाहिए। माना जाता है कि अन्ततोगत्वा सुख इसी से मिलता है। धन, संपदा, कुल, वंश, ज्ञान, पद की प्राप्ति का मनोरथ तो समाज में सम्मान और आदर पाना ही है। सद्गुणों से प्राप्त सम्मान स्थाई रहता है, किंतु ऐसा मनुष्य उस आत्मिक अवस्था को प्राप्त कर चुका होता है जहां मान, अपमान, निंदा और स्तुति उसके लिए बेमानी हो जाते हैं।

संपादकीय

दिल्ली पुलिस के लिए शर्मिंदगी का कारण

दिल्ली के कंझावला में कार से घसीटे जाने की वजह से एक युवती की मौत के मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से दिखाई गई सख्ती के संदेश व्यापक हैं। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था के स्तर को बाकी जगहों से ज्यादा चौकस माना जाता है। लेकिन अगर इस धारणा के बरक्स हकीकत यह सामने आए कि एक कार में फंसी युवती को बारह किलोमीटर के दायरे में घसीटा जाता रहा और अलग-अलग हिस्सों में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को इसकी खबर तक नहीं हुई तो निश्चित रूप से यह हैरानी की बात है। इसे खुद को बेहद सक्षम और संवेदनशील महकमे के तौर पर पेश करने वाली दिल्ली पुलिस के लिए शर्मिंदगी का कारण माना जाना चाहिए। लेकिन इस साल की शुरूआत के साथ ही दिल्ली के कंझावला इलाके में हुई हृदय विदारक घटना का एक पहलू यह भी है कि इतनी लंबी दूरी तक कार में फंसी युवती घिसटती रही और उस वाहन को रोकने-टोकने वाला

सड़क पर कोई नहीं था। जबकि जिन इलाकों से वह कार गुजरी, उस रास्ते में पुलिस के गश्ती वाहन समेत कई जगहों पर विभिन्न चौकियों पर पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात थे। इसके अलावा, निगरानी के लिए कई जगहों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगे थे। सवाल है कि इतनी दूरी के बीच ड्यूटी पर तैनात किसी भी व्यक्ति की नजर इस घटना पर क्यों नहीं गई, जबकि नए साल के जश्न के मद्देनजर बाकी दिनों के मुकाबले कानून व्यवस्था को लेकर शायद ज्यादा चौकसी बरती गई होगी! जाहिर है, अगर ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मी या गश्ती वाहन चौकस रहते तो शायद समय रहते उस बेलगाम कार को रोका जा सकता था और संभव है कि युवती की जान बचाई जा पाती। लेकिन घटना की प्रकृति से संबंधित जगहों पर मौजूद पुलिसकर्मियों की लापरवाही का अंदाजा लगाया जा सकता है। दरअसल, किसी भी गैरकानूनी घटना की आशंका के मद्देनजर ही जगह-जगह चौकियों पर और फिर गश्ती वाहनों में पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर तैनात किया जाता है, ताकि समय रहते आपराधिक वारदात को रोका जा सके। अगर कोई घटना हुई है तो सूचना मिलने पर जल्दी से जल्दी संबंधित जगह पर पुलिस पहुंचे। लेकिन इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि करीब बारह किलोमीटर के लंबे रास्ते में कई जगह पुलिस चौकी थे, गश्ती वाहन थे, लेकिन इस सबके बावजूद आरोपी कार में फंसी युवती को घसीटते आगे बढ़ते रहे। यही नहीं, जांच के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि कई बार फोन करने पर भी गश्ती या पीसीआर वाहन से कोई जवाब नहीं आया। सीसीटीवी के फुटेज खंगालने पर भी यह पता चला कि जब यह हादसा हो रहा था, तब सुल्तानपुरी इलाके में गश्ती वाहन दिखे। सवाल है कि दिल्ली पुलिस के पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के दावों के बीच इस तरह घटना कैसे संभव हो सकी! राहत की बात बस है कि इसका संज्ञान खुद केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से लिया गया और इसके बाद घटना के लिए व्यापक लापरवाही का जिम्मेदार मानते हुए ग्यारह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नफरत के विरुद्ध

संवाद और संचार माध्यमों में आधुनिक तकनीकी के बढ़ते प्रयोग के साथ होना यह चाहिए था कि इस क्षेत्र में विषयों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता मजबूत होने के साथ-साथ इसे प्रस्तुत करने वालों के बीच जिम्मेदारी की भावना भी बढ़ती। लेकिन आम जनता और सत्ता के बीच कड़ी के रूप में काम करने वाले समाचार माध्यमों में टेलीविजन चैनलों का प्रभाव जैसे-जैसे बढ़ा है, वैसे-वैसे इस जिम्मेदारी को लेकर कोताही बढ़ी है। आज हालत यह है कि टीवी चैनलों पर खबरों के प्रस्तुतिकरण और उनके प्रस्तुतकर्ताओं की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। इन दृश्य माध्यमों के मंचों पर पत्रकारिता के बुनियादी मूल्यों और जिम्मेदारियों की अनदेखी करके नफरत केंद्रित विचारों को जिस तरह जगह मिल रही है, वह चिंताजनक है। गौरतलब है कि नफरत भरे बयान के एक मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टीवी चैनलों के काम करने के तरीकों लेकर गहरी चिंता जताई और कहा कि घृणा भाषण एक खतरा बन गया है, उसे रोकना होगा। अदालत ने कई स्पष्ट टिप्पणियां कीं जो एक तरह से दृश्य माध्यमों के प्रभाव के मद्देनजर उसकी भूमिका को कठघरे में करती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने साफ लहजे में कहा कि आजकल टीवी चैनल प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ समाज में विभाजन पैदा कर रहे हैं; अगर कोई टीवी समाचार एंकर नफरत फैलाने वाले भाषण के प्रचार की समस्या का हिस्सा बनता है तो उसे क्यों नहीं हटाया जा सकता। अदालत ने इस ओर भी ध्यान दिलाया कि प्रिंट मीडिया के विपरीत समाचार चैनलों के लिए कोई भारतीय प्रेस परिषद नहीं है। सवाल है कि आखिर यह स्थिति क्यों आई कि इस मसले पर देश की शीर्ष अदालत को फिक्र जाहिर करने की जरूरत पड़ रही है। अदालत की पीठ ने यह भी कहा कि अगर नफरत फैलाने में जिम्मेदार समाचारों के प्रस्तुतकर्ता या एंकर या उनके प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाती है तब सभी लाइन में आ जाएंगे। इसके अलावा, दिल्ली में आयोजित हुए धर्म संसद में भड़काऊ भाषण के मामले में भी शीर्ष अदालत की एक अन्य पीठ ने दिल्ली पुलिस से सख्त सवाल पूछे कि अब तक जांच कहां पहुंची और कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया। सौहार्द को बाधित करने वाले नफरती या भड़काऊ भाषणों को लेकर अदालत की चिंता समझी जा सकती है। निश्चित रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक अहम पहलू है। लेकिन अगर किसी बयान को सनसनी बना कर पेश करने से समाज और देश में सौहार्द के उलट नफरत का माहौल बनता है तो ऐसी अभिव्यक्ति की कीमत क्या होगी! यह छिपा नहीं है कि पिछले कुछ समय से टीवी चैनलों पर होने वाली बहसें किसी मुद्दे को स्पष्ट करने और हल की राह निकालने के बजाय महज सनसनी फैलाने और संकीर्ण आग्रहों के आधार पर ध्रुवीकरण करने का वाहक बनती गई हैं। विडंबना यह है कि ऐसे कार्यक्रमों के लिए किसी संचालक या संबंधित टीवी चैनल के प्रबंधकों की जिम्मेदारी नहीं तय की जाती। दूसरी ओर, अखबार या पत्रिका जैसे प्रिंट माध्यमों में समाचार या किसी भी सामग्री की प्रस्तुति पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर उन्हें रोकने के लिए बाकायदा भारतीय प्रेस परिषद जैसी संस्था है। दरअसल, प्रिंट माध्यमों में आज भी जिस तरह की जवाबदेही की भावना मौजूद है, वह टीवी चैनलों में कम देखी जाती है। जबकि दृश्य माध्यमों में किसी खबर या बहस की प्रस्तुति के प्रभाव की तीव्रता ज्यादा होती है।

अतिशयकारी जिनबिंबों का प्रथम बार अभिषेक 20 से

तीन दिन तक श्रावक कर सकेंगे श्रीजी के अभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर,सिटी बस स्टेंड के पास स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर ठोलियान में 500 वर्षों से प्राचीन अतिशयकारी जिनबिंबों का प्रथम बार अभिषेक श्रावकगण 20 से 22 जनवरी तक कर सकेंगे। आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज संघ के सानिध्य में होने वाले इस आयोजन की तैयारियां जोरों पर चल रही है। इस भव्य आयोजन से जुड़े निर्मल चांदकी का,प्रदीप ठोलिया व मीनू सौगानी ने बताया कि 20 जनवरी को सुबह आचार्यश्री सुनील सागर जी महाराज सुबह 10.30 बजे अतिशयकारी जिनबिंबों को गर्भगृह से बाहर लाकर मंत्राराधना पूर्वक विराजमान करेंगे व उन प्रतिमाओं के सुबह 11.15 बजे इन्द्रगण प्रथम महामस्तकाभिषेक का सौभाग्य प्राप्त करेंगे। इसके बाद जलाभिषेक व सांयकाल को महाआरती की जाएगी। उन्होंने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन सुबह 8.45 बजे जलाभिषेक व पंचामृताभिषेक के बाद शांतिधारा व महाआरती सहित अनेक धार्मिक आयोजन होंगे। महोत्सव के अंतिम दिन 22 को सुबह 8.45 बजे जलाभिषेक व पंचामृताभिषेक के बाद शांतिधारा के बाद सुबह 10.15 जलाभिषेक के बाद सांयकाल को 4 बजे महाआरती के बाद इसी दिन सांयकाल 4.15 बजे जिनबिंबों को यथा स्थान भूगर्भ में जयकारों के बीच विराजमान किया जाएगा।

डान्स इंडिया डान्स के राष्ट्रीय चेयरमैन सुरेंद्र कुमार जैन पांड्या को ट्रॉफी भेंट की

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप्स फेडरेशन के कार्याध्यक्ष एवं डान्स इंडिया डान्स के राष्ट्रीय चेयरमैन सुरेंद्र कुमार जैन को उज्जैन में मिली ट्रॉफी को जयपुर में रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष नवीन सैन जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यश कमल अजमेरा एवं रीजन मंत्री निर्मल संघी के द्वारा ट्रॉफी भेंट की गई ।

भगवान ऋषभदेव मोक्ष कल्याणक दिवस

जीवन-मरण की कला सिखाई ऋषभदेव ने: आचार्य अतिवीर मुनि

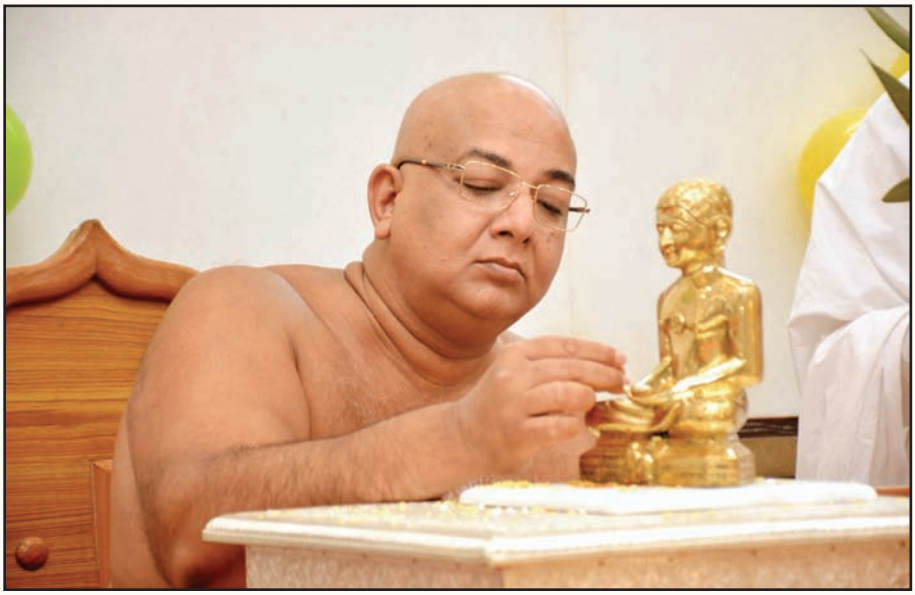

शाबाश इंडिया

जैन दर्शन के प्रथम तीर्थंकर देवाधिदेव श्री ऋषभदेव भगवान ने तीसरे काल के अंत में निर्वाण पद की प्राप्ति कर समस्त सांसारिक बंधनों से मुक्ति प्राप्त की। शाश्वत जन्मभूमि अयोध्या में राजा नाभिराय व माता मरुदेवी के आंगन में जन्म लेकर भगवान ऋषभदेव ने प्राणीमात्र का कल्याण किया। भारतवर्ष के स्वर्णिम इतिहास में जैन दर्शन का अमूल्य योगदान है। जब कल्पवृक्ष लुप्त होने लगे तो जनमानस को जीवनयापन की चिंता होने लगी। ऐसे समय में भगवान ऋषभदेव ने असि, मसि, कृषि, शिल्प, वाणिज्य व कला का अद्भुत ज्ञान प्रदान कर जीवन जीने की कला सिखाई। अपनी दोनों पुत्रियों, ब्राह्मी व सुंदरी, को अंक व लिपि का ज्ञान देकर महिला सशक्तिकरण का एहसास लोगों को करवाया। इसी कारण ब्राह्मी लिपि नामकरण हुआ। आपने न्याय व नीति पूर्वक राज्य कर समस्त सांसरिक सुखों से वैराग्य धारण कर कर्मों की निर्जरा हेतु जैनेश्वरी दीक्षा अंगीकार की तथा वन की ओर प्रस्थान किया। आपके साथ हजारों अन्य राजाओं ने भी आपके मार्ग का अनुसरण किया। दीक्षा लेते ही आपने मौन धारण कर लिया। आप अपने आत्मसाधना में निरंतर आरूढ़ रहे परन्तु आपकी कठिन चर्या से च्युत होकर अनेक राजाओं ने अन्य मार्ग को अपना लिया। जैन मुनि की आहारचर्या का किसी को भी ज्ञान न होने से आपको आहार नहीं मिला और फिर जब आप हस्तिनापुर नगरी पहुंचे तो वहां के राजा श्रेयांस को जातिस्मरण से आहारचर्या का ज्ञान हुआ और उन्होंने आपको नवधाभक्ति पूर्वक इक्षुरस का आहार करवाया। तभी से वह दिन अक्षय तृतीया के रूप में लोकप्रचलित हुआ जो आज भी जनमानस मना रहा है। कैवल्यज्ञान की उत्पत्ति के पश्चात आपके दिव्य समवशरण का नगर-नगर में मंगल विहार हुआ तथा आपकी दिव्यवाणी से ज्ञानपिपासुओं की क्षुधा शांत हुई। जीवन के अंतिम पड़ाव में आप कैलाश पर्वत के उच्च शिखर पर ध्यानस्थ हुए जहाँ से आप समस्त कर्मों की निर्जरा कर परम पद में सदा के लिए अवस्थित हो गए। यह कहना कोई अतिश्योक्ति न होगी कि आपने अपने आदर्श जीवन व सदुपदेशों से जीने व मरने की सम्यक कला का ज्ञान दिया। भगवान आदिनाथ के नाम से आपका उल्लेख लगभग सभी मान्यताओं के प्राचीन ग्रंथों में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है। आपके ज्येष्ठ पुत्र चक्रवर्ती भरत ने भी छह खण्ड के राज्य को त्याग कर जैनेश्वरी दीक्षा अंगीकार की तथा कर्मों की निर्जरा कर मोक्ष प्राप्त किया। इन्हीं चक्रवर्ती भरत के नाम पर हमारे देश का नाम भारत पड़ा, जिसका उल्लेख विष्णु पुराण में भी मिलता है। हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू जी ने उड़ीसा स्थित खारवेल के शिलालेख पर **''भरतस्य भारत''** प्रशस्ति देख कर ही इस देश का संवैधानिक नाम भारत किया था। इजराइल में भगवान ऋषभदेव के माता-पिता नाभिराय व मरुदेवी की पूजा अर्चना भक्तिपूर्वक की जाती है। आपके ही पुत्र बाहुबली ने कठोर तप कर सिद्धत्व की प्राप्ति की जिनकी 57 फीट विशाल खड्गासन प्रतिमा कर्णाटक के श्रवणबेलगोला में उत्तुंग खड़ी है और विश्व को दिगंबरत्व का दिव्य सन्देश प्रदान कर रही है। प्रथम तीर्थंकर देवाधिदेव ऋषभदेव भगवान का मोक्ष कल्याणक दिवस जैन धर्मावलम्बियों के साथ-साथ समस्त देशवासियों के लिए हर्षोल्लास का प्रतीक है।

हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू जी ने उड़ीसा स्थित खारवेल के शिलालेख पर ''भरतस्य भारत'' प्रशस्ति देख कर ही इस देश का संवैधानिक नाम भारत किया था।

संकलन: समीर जैन (दिल्ली)

एस वासुदेव स्मृति त्रिदिवसीय नाट्य समारोह 20 जनवरी से

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान संगीत नाटक अकादमी एवं रविंद्र मंच सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में ज्योति कला संस्थान के सहयोग से 20 से 23 जनवरी 2023 तक रविंद्र मंच पर सायं 6:30 बजे से ''एस.वासुदेव स्मृति त्रिदिवसीय नाट्य समारोह'' आयोजित किया जाएगा। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष बीना जैस मालू ने बताया कि 3 दिवसीय नाट्य समारोह में 20 जनवरी को ज्योति कला संस्थान द्वारा स्वर्गीय सुरेश सिंधु के निर्देशन में 'जीवन संध्या' नाटक का मंचन किया जाएगा । इसी प्रकार 21 जनवरी को जफर खान निर्देशित नाटक 'अग्नि और बरखा' का मंचन होगा और 22 जनवरी को जोधपुर की रंगकर्मी स्वाति व्यास के निर्देशन में 'लम्ही के लम्हे' नाटक का मंचन होगा। कार्यक्रम में प्रवेश निशुल्क होगा।

श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा का समापन

अशांत व्यक्ति सुखी नहीं रह सकता: गोस्वामी श्री मृदुल कृष्ण

जयपुर. शाबाश इंडिया

गिर्राज संघ परिवार विश्वकर्मा जयपुर के 24 वें वार्षिकोत्सव पर विद्याधर नगर,सेक्टर-7 स्थित अग्रसेन हॉस्पीटल के पीछे चल रहे श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ के अंतिम दिन बुधवार को परम श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण जी महाराज श्रीधाम वृंदावनवालों ने कहा कि जीवन में कितना भी धन ऐश्वयं की सम्पन्नता हो लेकिन यदि मन में शान्ति नहीं है तो वह व्यक्ति कभी भी सुखी नहीं रह सकता। वहीं जिसके पास धन की कमी भले ही हों सुख सुविधाओं की कमी हो परन्तु उसका मन यदि शान्त है तो वह व्यक्ति वास्तव में परम सुखी है। यह हमेशा मानसिक असंतुलन से दूर रहेगा।

कथा प्रसंग मे परम भक्त सुदामा चरित्र पर प्रकाश डालते हुए परम श्रद्धेय आचार्य श्री मृदुल कृष्ण जी महाराज ने कहा कि श्रीसुदामा जी के जीवन में धन की कमी थी, निर्धनता थी लेकिन वह स्वयं शान्त ही नहीं परम शान्त थे। इस लिये सुदामा जी हमेशा सुखी जीवन जी रहे थे,क्योंकि उनके पास ब्रह्म (प्रभुनाम) रूपी धन था। धन की तो उनके जीवन में न्यूनता थी परन्तु नाम धन की पूर्णता थी। हमेशा भाव से ओत प्रोत होकर प्रभु नाम में लीन रहते थे। उनके घर में वस्त्र आभूषण तो दूर अन्न का एक कण भी नहीं था। जिसे लेकर वो प्रभु श्री द्वारिकाधीश के पास जा सकें,परन्तु सुदामा जी की धर्म पत्नी सुशीला के मन में इच्छा थी, मन में बहुत बड़ी भावना थी कि हमारे पति भगवान श्री द्वारिकाधीश जी के पास खाली हाथ न जायं। सुशीला जी चार घर गई और चार मुट्ठी चावल मांगकर लाई और वही चार मुट्ठी चावल को लेकर श्री सुदामा जी प्रभु श्री द्वारिका धीश जी के पास गए। और प्रभु ने उन चावलों का भोग बड़े ही भाव के साथ लगाया। उन भाव भक्ति चावलों का भोग लगाकर प्रभु ने यही कहा कि हमारा भक्त हमें भाव से पत्र पुष्प, फल अथवा जल ही अर्पण करता है, तो मैं उसे बड़े ही आदर के साथ स्वाकार करता हूँ।प्रभु ने चावल ग्रहण कर श्री सुदामा जी को अपार सम्पत्ति प्रदान कर दी। आचार्य श्री ने इस पावन सुदामा प्रसंग पर सार तत्व बताते हुए समझाया कि व्यक्ति अपना मूल्य समझे और विश्वास करे कि हम संसार के सबसे महत्व पूर्ण व्यक्ति है। तो वह हमेशा कार्यशील बना रहेगा। क्योंकि समाज में सम्मान अमीरी से नहीं इमानदारी और सज्जनता से प्राप्त होता है। महासचिव गिरीश अग्रवाल व कोषाध्यक्ष सुधीर जाजू ने बताया कि विशेष महोत्सव के रूप में फूल होली महोत्सव विशेष धूम धाम से मनाय, गया। जिसमें आचार्य श्री द्वारा ''होली खेल रहे बांके बिहारी'' बांके बिहारी को देख छटा मेरे मन है गयो लटा-पटा आदि भजनों को बड़े ही भाव के साथ गुन-गुनाया गया। जिससे हजारों की संख्या में उपस्थित श्रोताओं ने फूल होली महोत्सव का आनन्द प्राप्त किया। सम्पूर्ण कथा प्रांगण श्री राधा कृष्ण मय हो गया।

त्रिवेणी नगर में भगवान नेमी नाथ विराजमान हुए वेदी में

जयपुर. शाबाश इंडिया

त्रिवेणी नगर जैन मंदिर में भगवान नेमी नाथ जी को आज भव्य जुलुस के साथ वेदी मे विराजमान किया। कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा ने बताया कि पिछले दिनों मंदिर जी से चोरी हुई नेमीनाथ भगवान की प्रतिमा को आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज से शुद्धि के बाद मंदिर जी में पुनः विराजमान जुलूस के साथ किया। इस अवसर पर राकेश छाबड़ा कोषाध्यक्ष, महेंद्र काला अध्यक्ष, रजनीश अजमेरा मंत्री, लोकेश जैन, राजकुमार पाटनी, सुभाष काला, सुनील लुहाड़िया, संतोष सोगानी, साधना छावड़ा, उर्मिला छाबड़ा, बबिता लुहाड़िया, विभा अजमेरा, निर्मला छाबड़ा, मृदुला काला, वंदना अजमेरा, रंजना पाटनी आदि अनेक समाज बंधु उपस्थित थे। भगवान को विराजमान करने के पूर्व अभिषेक एवं शांति धारा की गई। इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा एवं त्रिवेणी जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष रतन लाल छाबड़ा एवं नोरतन मल सोगानी भी उपस्थित थे।

मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज के सानिध्य में किया सम्मेद शिखर महामंडल विधान

सम्मेदशिखर जी. शाबाश इंडिया। पूज्य मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज के सानिध्य में शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर की तलहटी पर स्थित गुणायतन में सम्मेद शिखर महामंडल विधान किया। इस महामंडल विधान के पुण्यार्जक सुरेश कुमार, सिद्धार्थ कुमार बाबरिया दौतडा वाला परिवार रामगंजमंडी रहा। इस परिवार के द्वारा लगभग 170 लोगों को शिखर तीर्थ की यात्रा वंदना कराई गई। इसी तारतम्य में बुधवार की पावन बेला में पूज्य मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज के सानिध्य में वह प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी अभय भैया के साथ आकाश शास्त्री के द्वारा समस्त क्रियाएं विधि विधान से संपन्न कराई गई। संगीत की स्वर लहरियों के बीच सभी यात्री भाव विभोर होकर इस मंडल विधान में सम्मिलित हुए और भक्ति की गंगा में डुबकी लगाते हुए नाचते हुए नजर आए। इसके साथ ही सम्मेद शिखर महामंडल विधान में सम्मेदशिखर तीर्थ की टोको का वर्णन करते हुए उनके अर्ध समर्पित किए गए। विधान मे प्रातः बेला में सर्वप्रथम श्रीजी का अभिषेक व शांति धारा मुनि श्री के श्री मुख से हुई । इस अवसर पर मुनि श्री ने कहा कि भगवान की आराधना भवसागर से पार कराने के कारण बनती है। कर्म काटने का दूसरा उपाय सच्चे देव शास्त्र गुरु की आराधना में तन मन धन लगाना। आप लोगों को सौभाग्य मिला है और आपको यह सौभाग्य मिलता रहे। आपको एक साथ तीन लाभ मिले हैं मिलने जा रहे हैं देव शास्त्र गुरु तीनों आपको मिल रहे हैं।

मुरेना ज्ञानतीर्थ पर आदिनाथ निर्वाण लाडू 20 जनवरी को

आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी का 27वां दीक्षा दिवस मनाया जाएगा

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। भगवान आदिनाथ का मोक्ष कल्याणक एवं आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी का दीक्षा दिवस महोत्सव 20 जनवरी को ज्ञानतीर्थ पर हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाएगा । समारोह संयोजक अनूप भण्डारी द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार परम पूज्य आचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज के सान्निध्य में जैन धर्म के प्रवर्तक, प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक के पावन पर्व पर निर्वाण लाडू समर्पित किया जाएगा। इसी दिन स्वस्तिधाम प्रणेत्री, गुरुमां गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी का 27वां दीक्षा दिवस भी विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ज्ञानतीर्थ क्षेत्र मुरेना में मनाया जा रहा है। आदिनाथ निर्वाण लाडू महोत्सव के पर्व पर एक विशाल एवं भव्य पद यात्रा निकाली जाएगी । शुक्रवार 20 जनवरी को प्रातः 07 बजे पद यात्रा अम्बाह रोड मुरेना पर स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन नसियां जी मन्दिर से प्रारम्भ होकर महादेव नाका, शंकर बाजार, सदर बाजार, सराफा बाजार, लोहिया बाजार, बड़ा जैन मंदिर, गर्ल्स स्कूल रोड, गल्ला मंडी गेट, के एस मिल, ए बी रोड होते हुए ज्ञानतीर्थ पहुँचेगी । पद यात्रा में सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी, मुनिश्री ज्ञातसागर जी महाराज, गुरुमां गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण, क्षुल्लिका सर्वेशमति माताजी, ब्रह्मचारिणी बहिन अनिता दीदी, प्रियंका दीदी, ललिता दीदी के साथ साथ सैकड़ों की संख्या में पुरुष, महिला, बालक-बालिकाएं एवं युवा साथी सम्मिलित रहेंगे। सभी पद यात्रियों के सिर पर टोपी, गले में पचरंगी पट्टिका एवं हाथों में पँचरंगे ध्वज रहेंगे। पुरुषवर्ग सफेद वस्त्रों में, महिलाएं केशरिया साड़ी एवं बालिकाएं अपने विशेष परिधान के साथ पद यात्रा में सम्मिलित होंगे । सभी पद यात्रियों को एक एक किट प्रदान की जाएगी। पद यात्रा के ज्ञानतीर्थ पहुचने पर प्रथम चरण में सर्वप्रथम भगवान आदिनाथ स्वामी का अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्यनियम पूजन के पश्चात निर्वाण लाडू समर्पित किया जाएगा। द्वितीय चरण में स्वस्तिधाम प्रणेत्री, विदुषी लेखिका, गुरुमां गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी के 27वें दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में विनयांजली सभा का आरंभ होगा। इस पुनीत एवं पावन अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होगा। श्री ज्ञानतीर्थ महा आराधक परिवार, श्री बड़ा जैन मंदिर कमेटी के अध्यक्ष महेशचंद बंगाली, मंत्री धर्मेंद्र जैन एडवोकेट ने सकल जैन समाज से अधिकाधिक संख्या में पद यात्रा में सम्मिलित होने की अपील की है।

वैश्य प्रतिभा सम्मान समारोह

मुख्यमंत्री गहलोत द्वारा सौरभ जैन वैश्य गौरव की पदवी से अलंकृत

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय वैश्य महा सम्मेलन, जयपुर सेंट्रल द्वारा आयोजित वैश्य प्रतिभा सम्मान समारोह जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित किया गया जिसमें पूरे राजस्थान से वैश्य समाज के 25 अति प्रभावशाली व प्रतिभाशाली व्यक्तित्वों का चयन कर उन्हें सम्मानित किया गया। प्रज्ञा इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनेलिटी डेवलपमेंट के डायरेक्टर व 21 अगस्त, 2022 को 24 घंटे की **Non Stop Speech** (बिना कुछ खाये, बिना कुछ पिये, बिना बैठे, बिना बायो ब्रेक लिये, बिना थके, बिना रुके, बिना कोई नोट्स इस्तेमाल किये) विश्वकीर्तिमान बनाने वाले **''सौरभ जैन''** को राजस्थान के यशश्वी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा तकनीकी शिक्षा मंत्री सुभाष गर्ग, क्षेत्रीय विधायक अशोक लाहौटी व महासम्मेलन के केंद्रीय व राज्य स्तरीय पदाधिकारियों के सानिध्य मे ''वैश्य गौरव'' की पदवी से अलंकृत किया गया।

सन्मति सेवादल एवं शिखरजी स्वच्छता समिति ने की सम्मेद शिखरजी पर्वत की साफ सफाई

पारसनाथ, सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

सन्मति सेवादल महाराष्ट्र एवं शिखरजी स्वच्छता समिति ने पारसनाथ पर्वत की साफ - सफाई की । शिखरजी स्वच्छता समिति के सचिव भरत कुमार साहू ने बताया कि हम विगत 3 वर्षों से पर्वत की साफ सफाई करते आ रहे हैं । उन्होंने बताया कि हमारा उद्देश्य हैं कि हमारा सम्मेद शिखर तीर्थ क्षेत्र स्वच्छ रहे। उन्होंने लोगों से गंदगी ना फैलाने की अपील की । उन्होंने बताया कि सन्मति सेवादल विगत कई वर्षों से शिखर जी की स्वच्छता के लिए कायम कर रहा है और प्रतिवर्ष यहां आता है इसमें लगभग 250 कार्यकर्ता है। उन्होंने लोगों से भी इसे हरा-भरा रखने की अपील की व साफ रखने की अपील की। उन्होंने बताया की इसकी प्रेरणा हमे स्वच्छ भारत मिशन से और अंतर्मना प्रसन्न सागर महाराज से भी इसकी प्रेरणा मिलती रही है। इस मुहिम में भारतवर्षीय दिगम्बर तीर्थ क्षेत्र कमेटी, एवं जैन श्वेताम्बर सोसायटी बराबर सहयोग करती है। हाल ही में उपजे विवाद के विषय में साहू ने कहा कि जिसे हम अंतरक्लेश कह सकते हम शिखर जी के लोग भी इसे सुलझाने में लगे हुए है। विवाद यह था कि सम्मेद शिखर तीर्थ को सरकार द्वारा पर्यटक स्थल घोषित किया जा रहा है। इसमें जैन समाज कामयाब हुआ और सरकार द्वारा पर्यटक स्थल घोषित नहीं किया जाए तो उसकी घोषणा भी हुई।जिसको लेकर जैन समाज में आंदोलन किए। रैलीयां निकाली गई जो शिखर जी की आबोहवा से बिल्कुल अनभिज्ञ रही लेकिन शिखर जी की जो हवा है जैसी पहले थी वैसे ही अभी है। साहू ने कहा कि जैन समाज, नॉन जैन समाज, अदिवासी समाज पूरी तरह से एक है यहां किसी भी प्रकार का कोई अंतरद्वंद नही है। मैं सभी को यह संदेश देना चाहता हु शिखर जी कल भी शांत थी, आज भी शांत है आगे भी रहेगी। 15 तारीख को मेले में पर्वत पर 100000 आदमी आया और दर्शन किए जो यहां की शांति को दशार्ता है। अगर एक लाख आदमी कहीं पहुंच जाता है झड़प हो जाती है लेकिन ऐसा नहीं हुआ यह शिखर जी का धार्मिक प्रभाव है। और गुरुजनों का आशीर्वाद है। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी की प्रेरणा से मौजूद प्रसाद में गुड तिल भी वितरण किया गया। शिखरजी पवित्र है और स्वच्छ है। साहू ने यह बात अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी को एक साक्षात्कार में कही।

अभिषेक जैन लुहाड़िया
रामगंजमंडी की रिपोर्ट

जैन मंदिर ठोलियान में 20 से 22 जनवरी को होने वाले महामस्ताकभिषेक के पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन मंदिर संघी जी सांगानेर मे विराजमान आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के सानिध्य में सांगानेर स्थित दिगंबर जैन मंदिर ठोलियान में दिनाक 20 से 22 जनवरी 2023 को होने वाले भूगर्भ में स्थित जिन प्रतिमाओं के महामस्ताकभिषेक पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर संयोजक प्रदीप ठोलिया, संघी जी मंदिर के मंत्री सुरेश कासलीवाल, चौमू बाग जैन मंदिर उपाध्यक्ष आशीष पाटनी, सुधीर अजमेरा, गजेंद्र बड़जात्या, मनोज बिलाला, प्रवीण बड़जात्या, अनिल एवम अनेक गण मान्य समाज जन उपस्थित थे। आशीष पाटनी ने बताया कि दिगम्बर जैन मंदिर जी ठोलियान, सांगानेर में स्थित 500 वर्ष से भी प्राचीन भूगर्भ जिनबिंबो को आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी ससंघ द्वारा दिनाक 20 जनवरी 2023 को प्रातः भूगर्भ से बाहर निकाल कर दर्शनार्थ रखा जायेगा । 22 जनवरी तक आम जन को उनके दर्शन का पुण्य का लाभ प्राप्त होगा तथा महा मस्तकाभिषेक करने का सुअवसर प्रप्त होगा। समरोह मे नगर निगम ग्रेटर की महापौर श्रीमती सौम्या गुर्जर की भी गौरवमय उपस्थिति रहेगी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

भगवान आदिनाथ निर्वाणोत्सव पर

20 जनवरी को होगी 2304 दीपक से भक्तामर महाअर्चना

48 मण्डल पर जयपुर की 48 दीपो से करेंगे अर्चना
श्रावक जन, साधु सन्त सेवा भावार्थियो का होगा सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रांत राजस्थान के तत्वावधान में श्री दिगम्बर जैन संघी जी के मन्दिर सांगानेर में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर के निर्वाणोत्सव के शुभ अवसर पर चतुर्थ पट्टाधीस परम पूज्य आचार्य सुनील सागर जी महाराज ससंघ के परम सानिध्य में 2304 दीपक से 48 मंडलीय श्री भक्तामर दीप महाअर्चना का आयोजन होगा। धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की इस दीप अर्चना में 48 मण्डल पर जयपुर की 48 कालोनियों के श्रावक पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। समारोह मे संगीतमय प्रस्तुती श्री विद्या सागर यात्रा संघ द्वारा की जाएगी । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शान्तिकुमार - ममता सोगनी, विशिष्ट अतिथि कांता - रश्मि कांत सोनी ,राकेश जैन मधोराजपुरा वाले तथा वीर चंद गजेंद्र बडजात्या होंगे। इस अवसर पर संस्थान द्वारा साधु सन्त के विहार के समय रास्तो में प्रवास हेतु सन्त भवन आदि कार्यों में सहयोगकर्ताओं का सम्मान भी किया जाएगा ।

"सोनी कुड़ी पंजाब दी" संगिनी कैपिटल द्वारा रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

नव वर्ष के शुभ अवसर पर संगिनी कैपिटल द्वारा पंजाबी थीम पर प्रोग्राम चोखा पंजाब (पिंक पर्ल) में आयोजित किया गया। संस्थापक अध्यक्ष विनीता जैन ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत नवकार मंत्र से हुई। सभी सदस्याएं ''पंजाबी कुड़ी की वेशभूषा में बहुत ही सुन्दर लग रही थीं''। सर्व प्रथम सभी सदस्याओं को पंजाबी त्योंहार व खाने पर आधारित हाउजी खिलाई गई तथा 3 रोचक गेम्स खिलाए गये। विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम मे सदस्याओं ने पंजाबी गानों पर अपनी डांस परफॉर्मेंस दी। संगिनी अध्यक्ष मीना चौधरी व सचिव अलका गोधा ने बताया कि सभी ने बहुत ही सुन्दर भांगड़ा और गिद्दा किया, परफॉर्मेंस देने वाली सदस्याओं को उपहार दिए गए। गेम्स खेलने के बाद सभी सदस्याओं ने चोखा पंजाब का भ्रमण किया और भोजन के पश्चात अलाव तापते हुए लोहड़ी का गीत गाए ।

मदनगंज किशनगढ़ में वात्सल्य वारिधि आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ का हुआ भव्य मंगल प्रवेश

मंगल प्रवेश पर किशनगढ़ जैन समाज ने की भव्य अगवानी

मदनगंज किशनगढ़. शाबाश इंडिया

आज मदनगंज किशनगढ़ में वात्सल्य वारिधि आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ ने किशनगढ़ में भव्य मंगल प्रवेश किया उक्त कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबु गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि मंगल प्रवेश पर मदनगंज किशनगढ़ जैन समाज ने शांतिसागर स्मारक से आचार्यश्री को नए बस स्टैंड पहुंचने पर सकल जैन समाज ने भव्य आगवानी की। गुरुदेव की आगवानी के लिए जैन समाज के साथ- साथ राजनीतिक, सामाजिक व प्रबुद्ध जनों सहित

धार्मिक क्षेत्र के अलावा पूरा शहर स्वागत को उमड़ा पड़ा, आचार्यश्री को जुलूस के साथ इंदिरा नगर, आदिनाथ कॉलोनी, पुरानी मिल चौराया, सिटी रोड, मुनिसुव्रतनाथ मंदिर होते हुए मेन चौराहे से आर के कम्यूनिटी लाया गया। गोधा ने अवगत कराया कि सकल दिगम्बर जैन समाज व श्री मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन पंचायत की ओर से 22 जनवरी से आयोजित इन्द्रा नगर स्थित शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर और सिटी रोड स्थित चन्द्रप्रभु मंदिर के श्रीमद जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में आचार्य श्री पावन सान्निध्य प्रदान करेंगे, कार्यक्रम में बस स्टैंड पहुंचने पर जैन समाज के लोगों ने पुष्पवर्षा की। गुरुदेव के अभिनंदन के लिए जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए गए थे,शोभायात्रा में बैंडबाजा वादकों के साथ महिला मंडल की सदस्याओं ने केसरिया व हरे रंग की साड़ियां पहने हुई थी। वहीं पुरुष वर्ग श्वेत वस्त्र पहने शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रसिद्ध समाजसेवी संस्था वीर सेवक मंडल जयपुर के सदस्यों ने पूरी सुरक्षा व्यवस्था संभाल रखी थी।

दिव्या जैन को राजस्थान पत्रिका परिवार द्वारा 20 जनवरी को किया जाएगा सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक चेतना का अभियान चला रही नेशनल यूथ अवार्डी व पर्यावरण मित्र दिव्या कुमारी जैन का पावर लिस्ट 2, 2022 पत्रिका 40, अंडर 40 में चयन होने पर 20 जनवरी 2023 को पत्रिका कार्यालय जयपुर में पत्रिका परिवार द्वारा आयोजित **meet &Greet** कार्यक्रम में सर्टिफिकेट व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा। दिव्या जैन ने बताया कि उसे प्रसन्नता है कि उसका चयन ज्यूरी के द्वारा किया गया। जयपुर में उसे पत्रिका कार्यालय देखने व कार्य को समझने का अवसर भी मिलेगा। दिव्या ने पत्रिका परिवार व पूरी टीम का आभार व्यक्त किया है।

लीगल एड डिफेंस काउसिंल सिस्टम का प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 से 22 जनवरी तक

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में जिला न्यायक्षेत्र मुख्यालयों पर संस्थापित लीगल एड डिफेंस काउसिंल सिस्टम का प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 से 22 जनवरी तक राजस्थान पुलिस अकादमी, पांनीपेच में आयोजित किया जा रहा है। प्रदेश में 23 जिला न्यायाक्षेत्र मुख्यालयों पर लीगल एड डिफेंस काउसिंल सिस्टम कार्यालय संस्थापित किए गये हैं। प्राधिकरण के सयुंक्त सचिव ने बताया कि 23 न्यायाक्षेत्रों में चयनित 67 लीगल एड डिफेंस काउसिंल जिनमें 22 चीफ लीगल एड डिफेंस काउसिंल एवं 09 डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउसिंल का प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 व 20 जनवरी को तथा 36 असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउसिंल का प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 21 व 22 जनवरी को होगा।

सात दिवसीय समाजपयोगी उत्पादन कार्य शिविर का समापन

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया।

जयपुर/मानसरोवर स्थित दीप इन्टरनेशनल कॉलेज फॉर एज्यूकेशन में सात दिवसीय समाजोपयोगी उत्पादक कार्य शिविर के समापन समारोह में डॉ. नव प्रभाकर लाल गोस्वामी प्राचार्य विद्यास्थली महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं डॉ. संजीव कुमार सिंघल प्राचार्य, अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय ने दीप प्रज्जवलन करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर बी. एड. की छात्राओं ने रंगोली प्रतियोगिता, कक्ष सज्जा, फैन्सी ड्रेस एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं की प्रस्तुति दी। बी.एड. की छात्राओं ने साइबर क्राइम, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं संदेश लिखी रंगोली का प्रर्दशन किया एवं पॉलीथीन प्रतिबन्ध पर एक सामाजिक संदेश देते हुये विचित्र वेशभूषा की प्रस्तुति दी। एकल नृत्य प्रतियोगिता में पायल मीणा एवं एकल गान में श्यामा बाई मीणा प्रथम रही। अन्त में प्राचार्य डॉ. योगेश कुमार शर्मा ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया एवं पुरस्कार वितरित किये।

महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कुल भवन निर्माण की रखी गई नींव

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। कस्बे में संचालित महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल के नवीन भवन निर्माण के लिए बुधवार को विद्यालय की आधारशिला रखी गई। सरपंच कमला चौधरी ने बताया की पूर्व प्रधानमंत्री व राज्यसभा सांसद डॉ मनमोहन सिंह ने भैंसलाना ग्राम को गोद लिया हुआ है। डॉ मनमोहन सिंह द्वारा अंग्रेजी माध्यम स्कूल के नवीन भवन निर्माण के लिए 45 लाख रुपए की राशि स्वीकृत हुई है। भैंसलाना ग्राम निवासी व वर्तमान में कनाडा में रहने वाले डॉ रामदेव मेहता द्वारा नवीन स्कूल भवन के लिए 2 बीघा भूमि दान दी गई है साथ ही डॉ मेहता ने स्कुल भवन निर्माण के लिए 21 लाख रुपए की राशि की घोषणा की है। भैंसलाना सरपंच कमला चौधरी ने कांग्रेसी नेता विद्याधर सिंह से प्रेमपुरा से डयोढी तक 4 किमी ग्रेवल सडक पर डामरीकरण की मांग की जिस पर विधाधर

सिंह चौधरी ने आगामी बजट में सडक पर डामरीकरण करवाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में स्कूल के नौनिहालों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया।